रिजस्ट इं नं 0 पी 0/एम 0 एम 0 14.



राजपन्न, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बीरबार, 25 जून, 1987/4 ग्राषाढ, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग

ग्रधिसुचनाएं

शिमला-171 002, 23 मई, 1987

संख्या स्वा0-ती0(5)-22/78-II.— यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेण को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेण सरकार द्वारा सरकारी ब्याय पर सार्वजितिक प्रयोजन नामतः वाऊंडरी एस्टेट छोटा शिमला ं तिम्न रक्वा को क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अस्पताल के निर्माण हेतु जींजा करना अपेक्षित है, अतए व एतदहारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उत्तर परिक्षेत्र में जैशा कि तिम्न विवरणों में विनिर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि दें का अर्जन करना अपेक्षित है।

2. भूमि श्रर्जन ग्रधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के ग्रधीन उन सभी व्यक्तियों के लिए जिनका इसमें सम्बन्ध है, घोएणा की जानी है तथा उक्त ग्राधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के ग्रधीन भू अर्जन समाहर्ता, शिमना (एता डी 0 एम 0, शिमला-शहरी) को एत इंद्रारा निर्देश दिया जाना है कि वह उक्त भूमि, जिसे निम्न विवरणी में विनिदिय्ट किया गया है, के अर्धन के लिए ग्रादेश प्राप्त करें।

1125-राजपव/87-25-6-87--1.210.

(1039)

मत्य: 20 वैसे ।

खसरा नं0

63/6/1

6/1

7

कित्ता

जिला: शिमला

स्थान

जिला: शिमला

ग्राम

जगथान

बाऊंडरी एस्टेट, छोटा शिमला

3. भूमि का नक्शा-पत्र भू-ग्रर्जन समाहर्ता, शिमला (एस o डी o एम o, शिमल-शहरी) जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में देखा जा सकता है।

तहसील: शिमला

रकबा वर्गगज

1530 0

360 0

630 0

2520 0

तहसील : जुब्बल

(बीबा)

रकबा

ग्रादेश द्वारा, ग्ररविन्द कौल, सचिव।

रकवा

1 14

0 14

8

विवरणी

शिमला-171002, 23 म ई 1987
संख्या एच-वी (जी) 1-2/86.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह ग्तीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः ग्राम जगथान, तहसील जुब्बल, जिना शिमला मे त्रायुर्वेदिक ग्रीषधालय, जगथान के निर्माण हेतु भूमि ग्राजित करना ग्रापेक्षित है, ग्रतएव एतद्दारा यह ग्रधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में, जैरा की निम्न विवरणी में विनिर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का ग्रर्जन ग्रेथिस है।
यह ग्रधिस्चना ऐसे सभी व्यक्तियों, जो इससे सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं की जानकारी के लिये भू-ग्रर्जन ग्रधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के ग्रन्तर्गत जारी की जाती है।
पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिकाचल ग्देश, इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी यधिकारियों, कर्मचारियों ग्रौर श्रमिकों को इस क्षेत्र की किसी भी भूमि में प्रवेश करने तथा सर्वेक्शण करने ग्रौर उक्त धारा द्वारा ग्रपेक्षित प्रथवा यनुमत सभी ग्रन्य कार्यों को करने के लिय सहर्ष प्राधिकृत करते हैं।
कोई भी ऐसा हितबद्ध व्यक्ति, जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई स्नापित्त हो, तो वह इस ग्रिधिसूचना के प्रकाणित होने के तीस दिनों की स्रविध के भीतर लिखित रूप में भू-ग्रर्जन समाहर्ता, रोहड़ू (एस 0 डी 0 एम 0, रोहड़ू), जिला शिघला के सम्मुख अ्रपनी श्रापित दायर कर सकता है ।
विवरणी

खमरा नं 0

287

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला- 5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित ।